आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 24.10.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- मत्स्य विभाग ने राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ मिलकर चिड़ियाटापू में समुद्री शैवाल की खेती प्रदर्शन परियोजना की स्थापना की है।
- मध्योत्तर अंडमान पुलिस अधीक्षक गीतांजलि खंडेलवाल को तस्करी विरोधी अभियानों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली अधिकारी के रूप में सम्मानित किया गया है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार सत्ताईस अक्तूबर को आकाशवाणी पर 'मन की बात' कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे।
- डाक विभाग द्वारा ढ़ाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

<><><><><><><><>

मत्स्य विभाग ने राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) के साथ मिलकर चिड़ियाटापू में समुद्री शैवाल की खेती प्रदर्शन परियोजना की स्थापना की है। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समुद्री शैवाल की बड़े पैमाने पर खेती का आह्वान किया है। मुख्य सचिव ने कहा कि समुद्री शैवाल का उपयोग कई चीजों के उत्पादन के लिए किया जाता है, जिसमें सौंदर्य प्रसाधन, रंग, बायो–प्लास्टिक और खाद्य पदार्थ आदि शामिल हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि दुनिया भर में समुद्री शैवाल के उच्च मूल्य और मांग को ध्यान में रखते हुए, अंडमान और निकोबार प्रशासन ने राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ जुड़ने का फैसला किया, ताकि अंडमान और निकोबार प्रशासन पहले समुद्री शैवाल की खेती का प्रदर्शन करे और यह सुनिश्चित हो सके कि इन द्वीपों में इसकी खेती संभव है। मुख्य सचिव ने कहा कि इन दस हेक्टेयर समुद्री क्षेत्र में स्थानीय रूप से उपलब्ध समुद्री शैवाल गार्सिलेरिया एडुलिस की खेती की जाएगी, ताकि यह द्वीपों के मौजूदा इको–सिस्टम को कोई नुकसान न पहुंचाए। मुख्य सचिव ने कहा कि इसकी खेती से जुड़े लोगों को फायदा होगा और खेती की प्रक्रिया भी बहुत आसान है, जो तीस दिनों के भीतर कटाई के लिए तैयार हो जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास समुद्री शैवाल की खेती को व्यापक स्तर पर ले जाना है, ताकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पूरे देश में पहले स्थान पर रहे और समुद्री शैवाल की खेती में एक आदर्श बन जाए।

साउथ प्वाइंट, शोल बे, नॉर्थ बे, कोडियाघाट, चिडियाटापू, पोकाडेरा, दुर्गापुर जेट्टी में समुद्री शैवाल की खेती करने के लिए चिहित किया गया है। मुख्य सचिव ने खेती के राफ्टों में समुद्री शैवाल ट्यूब–जाल की तैनाती में भी भाग लिया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ समुद्री शैवाल और उसके उत्पाद को प्रदर्शित करने वाले स्टालों का दौरा किया। इस अवसर पर सचिव मत्स्य पालन, विश्वेंद्र और एन आई ओ टी के निदेशक प्रो. बी. रामकृष्णन ने समुद्री शैवाल की खेती परियोजना के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मत्स्य विभाग ने मुख्य सचिव के निर्देशानुसार चिड़ियाटापू में एक डेमो समुद्री शैवाल फार्म स्थापित करने की पहल की, जिसका उद्घाटन कल मुख्य सचिव ने किया। कार्यकम में मत्स्य आयुक्त–सह सचिव नंदिनी पालीवाल, मत्स्य सचिव, विश्वेंद्र, मत्स्य निदेशक प्रो. बी. रामकृष्णन प्रशासन और एनआईओटी के वरिष्ठ अधिकारियों और मछुआरा समुदाय के लोग भी उपस्थित थे।

<><><><><><><><>

फिक्की की ओर से मध्योत्तर अंडमान पुलिस अधीक्षक गीतांजलि खंडेलवाल को तस्करी विरोधी अभियानों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली अधिकारी के रूप में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कानून व्यवस्था बनाए रखने, क्षेत्र की सुरक्षा करने और द्वीपों के समृद्ध प्राकृतिक

संसाधनों की रक्षा करने के उनके प्रयासों के लिए दिया गया। मध्योत्तर अंडमान जिले की पुलिस अधीक्षक के रूप में उन्होंने क्षेत्र में अवैध घुसपैठ और तस्करी विरोधी अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका यह समर्पण उनकी टीम को अवैध गतिविधियों के खिलाफ लड़ने में प्रेरित करता है। अंडमान निकोबार पुलिस ने उनके इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है।

<><><><><><><>

विज्ञान केन्द्र की ओर से आज नवनिर्मित इनोवेशन हब का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी सचिव ए एस पी एस रविप्रकाश आज दिन में ग्यारह बजे विज्ञान केन्द्र परिसर में हब का उद्घाटन करेंगे।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार सत्ताईस अक्तूबर को आकाशवाणी पर 'मन की बात' कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की एक सौ पन्द्रहवीं कड़ी होगी। श्रोता टोल फ्री नम्बर १ ८ ० ० – १ १ – ७ ८ ० ० पर कार्यक्रम के लिए अपने सुझाव भेज सकते हैं। माइगॉव, नमो एप पर भी सुझाव भेजे जा सकते हैं। सुझाव भेजने की अंतिम तिथि कल है। कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के समूचे नेटवर्क पर होगा। कार्यक्रम आकाशवाणी समाचार की वेबसाइट और न्यूज ऑन एआईआर ऐप पर भी उपलब्ध रहेगा। आकाशवाणी समाचार, दूरदर्शन समाचार, प्रधानमंत्री कार्यालय तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय के यू ट्यूब चैनलों पर भी इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

<><><><><><><>

डाक विभाग द्वारा ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। **लेखन का आनन्दः डिजिटल युग में पत्रों का महत्व** विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल पत्रों को लिखने की कला, बल्कि रचनात्मक, आलोचनात्मक सोच और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति सहानुभूति को भी बढ़ावा देना है। यह प्रतियोगिता दो चरणों में सम्पन्न होगी, जिसमें अट्ठारह वर्ष तक और अट्ठारह वर्ष से अधिक आयु वर्ग की श्रेणी में हिस्सा लिया जा सकता है। केवल हस्तलिखित पत्र ही स्वीकार किए जाएंगे। अंडमान निकोबार द्वीपसमूह पश्चिम बंगाल मंडल के अधीन आता है और प्रत्येक मंडल से हर श्रेणी में तीन सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को पुरस्कार के लिए चुना जाएगा। चुने गए प्रविष्टियों की दोबारा गणना की जाएगी और राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे तीन प्रविष्टियों को पुरस्कार दिया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के विजेता को प्रथम पुरस्कार के रूप में पचास हजार रूपये, दूसरे स्थान पाने वाले को पच्चीस हजार रूपये और तीसरे स्थान पर रहने पर प्रत्येक श्रेणी के विजेता को दस हजार रूपये का पुरस्कार दिया जाएगा। मंडल स्तर पर पहले स्थान के लिए पच्चीस हजार, दूसरे स्थान के लिए दस हजार और तीसरे स्थान पर रहने पर पांच हजार रूपये का पुरस्कार मिलेगा। चौदह दिसम्बर तक मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल, कोलकाता के पास पत्र जमा किया जा सकता है। अधिक जानकारी डाक विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

<><><><><><><>

भारतीय एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के चैप्टर अध्यक्ष मोहम्मद जाडवेट और आटो के अध्यक्ष एम विनोद के नेतृत्व में द्वीपसमूह के प्रमुख पर्यटन हितधारकों का एक प्रतिनिधिमंडल आई टी बी एशिया दो हजार चौबीस में भाग ले रहा है। यह कार्यक्रम मरीना–बे सैन्ड्स स्थित सैन्ड एक्सपो और कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष का आई टी बी एशिया वैश्विक स्तर पर पर्यटकों को द्वीपसमूह के अनूठे आकर्षक स्थलों के बारे में जानकारी देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। आटो के अध्यक्ष ने कहा कि द्वीपसमूह की सुदंरता और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने का यह एक सुनहरा मौका है, ताकि द्वीपसमूह में पर्यटन को और अधिक बढ़ावा मिल सके।

<><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा निकोबार के पेरका गांव में वर्मी कम्पोस्टिंग और सतत कृषि में इसका महत्व विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पेरका गांव के पहले कप्तान पॉल डेविड मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में उन्होंने जैविक खेती के तरीकों और निकोबार क्षेत्र में उनके दीर्घकालीक प्रभाव के महत्व पर ज़ोर दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संतोष कुमार ने

बड़े पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट के उत्पादन के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में सामुदायिक भागीदारी और सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रतिभागियों के घर के पिछवाड़े में इस अभ्यास को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विषय विशेषज्ञ संकेत जी. डी. ने अवश्यकताओं, प्रक्रिया केचुओं के प्रकार और वर्मी वॉस सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों तथा तकनीकी सत्रों की एक श्रृखंला का नेतृत्व किया। प्रतिभागियों ने द्वीपों में खेती करने पर होने वाली चुनौतियों का समाधान करने जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा तीस किसान शामिल थे।

<><><><><><><>